अब एक फोन कॉल पर मिलेगी जरूरत की हर सेवा

18 ट्रेड के दो लाख से ज्यादा कुशल कामगारों के लिए सरकार तैयार करा रही पोर्टल

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षित कामगारों को रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने नई पहल की है। देश में 18 से ज्यादा सेवाएं लेने के लिए पहली बार सरकारी पोर्टल तैयार हो रहा है। इस पोर्टल में आम जनजीवन से जुड़े प्रत्येक काम के लिए एक फोन पर कुशल कारीगर मिलेगा। इस पोर्टल की सेवा के एवज में कामगारों से किसी तरह की फीस नहीं ली जाएगी।

कामगारों को आनलाइन मिलेगा काम, लोगों को उचित मूल्य पर सेवा

पोर्टल से इनकी सेवाएं मिलेंगी

बढ़ई, नाव निर्माता, अस्त्र बनाने वाला, लोहार-हथौड़ा और टूलकिट निर्माता, ताला बनाने वाला, स्वर्णकार, कुम्हार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने एवं तोड़ने वाला), मोची (चर्मकार), जूता कारीगर, राजमिस्त्री, टोकरी-चटाई-झाड़ू निर्माता, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारम्परिक), नाई, माला बनाने वाला,धोबी, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला और हलवाई व अन्य।

केवल प्रशिक्षित कामगारों का होगा पंजीकरण

पोर्टल में सरकार द्वारा प्रशिक्षित कामगारों को पंजीकृत किया जाएगा। सरकार कामगारों को 5-7 दिन का प्रशिक्षण और 500 रुपये प्रति दिन की दर से स्टाइपेंड दे रही है। प्रशिक्षण के बाद लाभार्थियों को 15,000 रुपये का टूलकिट दिया जाता है। वहीं बिना सिक्योरिटी एक लाख रुपये कर्ज मिलेगा, जिसे 18 महीने में वापस करना होगा। दूसरे चरण में दो लाख रुपये तक का ऋण केवल पांच प्रतिशत व्याज की दर से मिलेगा।

पोर्टल के जरिए दो लाख से ज्यादा कामगारों को ज्यादा से ज्यादा काम देने की अभिनव शुरुआत की गई है। ये संख्या लगातार बढ़ती जाएगी। इसका फायदा समाज के गरीब, लेकिन हुनरमंद तबके को मिलेगा। वहीं आम लोगों को घर बैठे सारी सुविधाएं मिलेंगी।
-राकेश सचान, एमएसएमई मंत्री

विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षित कामगारों को इस पोर्टल में पंजीकृत किया जाएगा। इस योजना से न केवल कामगार बल्कि प्रदेश की जनता को सीधा फायदा मिलेगा। लगभग दो लाख कामगारों को इस पोर्टल से जोड़ा जाएगा। **-अमित मोहन प्रसाद,** अपर मुख्य सचिव एमएसएमई

प्रदेश में 18 ट्रेड के कुशल कामगारों को घर बैठे काम मिलने जा रहा है। सरकारी पोर्टल में करीब दो लाख कामगारों का डाटा बैंक होगा। जिसमें उनका नाम, पता, कौशल सहित पूरा विवरण होगा। ये डाटा जिलेवार बन रहा है, जिसे पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी जरूरत के हिसाब से कामगार से संपर्क कर सकेगा।

लाखों का डाटाबेस होने से मूल्य और बेहतर सर्विस की प्रतिस्पर्धा होगी। इसके अलावा बाजार में मौजूद निजी पोर्टलों पर भी दबाव बनेगा और कीमतें घटेंगी। कीमत घटने से कामगारों को ज्यादा काम मिलेगा और लोगों को उचित मूल्य पर सेवा मिलेगी। पोर्टल का नाम जल्द ही तय हो जाएगा।